Sign in to edit and save changes to this file.

अधिकतम तापमान 17.00° » न्यूनतम तापमान 08.00° » सूर्योदय 6:57 » सूर्यास्त 17:32 » डॉलर 83.06 » यूरो 91.02

4 में स्वामी
दिन के मौके पर हर
वा दिवस' मनाने की

क्यूआर कोड स्कैन कर पहुंचें दैनिक भास्कर पर

देश का विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

लखनऊ | वर्ष-08, अंक-98 | शुक्रवार 12 जनवरी 2024 | कुल पृष्ठ 14 | मूल्य 3.00 रुपये

मृदा उर्वरता बढ़ाने में जैविक खेती का विशेष योगदान : कुलपति

भास्कर ब्यूरो

कानपुर । सीएसए द्वारा संचालित थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर एक दिवसीय विशाल किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। किसान मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ आनंद कुमार सिंह कुलपति द्वारा फीता काटकर किया गया तत्पश्चात उनके द्वारा मेले में 20से अधिक कृषि तकनीकी आधारित लगाई गई प्रदर्शनी के विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया गया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी में लगाई गई सामग्रियों के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करके मेले का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि फतेहपर की कृषि पद्धति ऐसी है जिसमे विभिन्न फसल प्रणाली अपनाई जा सकती है जनपद में धान एवं गेंहू के अधिक उत्पादन लेने से निरंतर मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है मृदा उर्वरता के साथ मानव स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे। मेला में अधिक सख्या में उपस्थित महिलाओं से उन्होने कहा की पोषक रसोई बागवानी तैयार करें तथा सब्जी नियमित भोजन में शामिल करें। कुलपति ने मृदा स्वास्थ्य एवं टिकाऊ खेती पर विशेष चर्चा की। उन्होंने किसान भाईयों से कहा कि खेती में विज्ञान शामिल करते हुए आय परक खेती करें तथा निरंतर वैज्ञानिको के सम्पर्क रहें। कुलपति ने कहा की मेला समसामयिक थींम के साथ किया गया।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉक्टर साधना वैश द्वारा स्वागत भाषण व केंद्र की विभिन्न उपलब्धियां पर प्रकाश डाला गया। अपने उद्बोधन में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने संतुलित खेती पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारी मृदा में जैव कार्बन की मात्रा बहुत कम हो चुकी है इसको सुधारना अति आवश्यक है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सब्जी की प्रजातियों के संरक्षित खेती द्वारा प्याज शिमला मिर्च आदि की खेती कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उई, कन्नौज, फरूखाबाद, एटा मे प्रसारित

24x7

www.upde

अंक :343 | कानपुर, शुक्रवार 12 जनवरी 2024 | पृष्ठ : 8

अजीत कुमार सिंह सहित सरकार की विभिन्न जाय।

एक द्विवसीय प्रदर्शनी व किसान मेले का आयोजन किया गया

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स सीएसए द्वारा संचालित थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद पर एक दिवसीय विशाल किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। किसान मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ आनंद कुमार सिंह कुलपति द्वारा फीता काटकर किया गया. तत्पश्चात उनके द्वारा मेले में 20 से अधिक कृषि तकनीकी आधारित लगाई गई प्रदर्शनी के विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया गया उन्होंने कृषि प्रदर्शनी में लगाई गई सामग्रियों के बारे में जानकारी ली तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करके मेले का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि फतेहपुर की कृषि पद्धति ऐसी है जिसमे विभिन्न फसल प्रणाली अपनाई जा सकती है जनपद में धान एवं गेंहू के अधिक उत्पादन लेने से निरंतर मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है मृदा उर्वरता के साथ मानव स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे मेला में अधिक सख्या में उपस्थित महिलाओं से उन्होने कहा की पोषक रसोई बागवानी तैयार करें तथा सब्जी नियमित भोजन में शामिल करें। कुलपति ने मृदा स्वास्थ्य एवं टिकाऊ खेती पर विशेष चर्चा की। उन्होंने किसान भाईयों से कहा कि खेती में विज्ञान शामिल करते हुए आय परक खेती करें तथा निरंतर वैज्ञानिको के सम्पर्क रहें। कुलपति ने कहा की मेला समसामयिक थींम के साथ किया गया।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉक्टर साधना वैश द्वारा स्वागत भाषण व केंद्र की विभिन्न उपलब्धियां पर प्रकाश डाला गया। अपने उद्बोधन में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने संतुलित खेती पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारी मृदा में जैव कार्बन की मात्रा बहुत कम हो चुकी है इसको सुधारना अति आवश्यक है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सब्जी की प्रजातियों के संरक्षित खेती द्वारा प्याज शिमला मिर्च आदि की खेती कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय जनपद की कृषि पद्धति के अनुसार नवीन प्रजातियां निकल रहा है। निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि बीजों का उत्पादन एक समूह बनाकर किया जाए जिससे बीजो में किसान स्वालंबी बन सके। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने कहा मृदा स्वास्थ्य हेतु गोबर की खाद,हरी खाद आदि का उपयोग करते हुए सुरक्षित एवं स्वस्थ उत्पादन लिया जा सकता है।अन्त में कृषि विज्ञान केन्द पर स्थापित इकाइयो, सीड हब, क्राप कैफेटेरिया, प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। मेला का संचालन डॉ0 जितेन्द्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 संजय पाण्डेय ने किया। मेला के सफल आयोजन में केन्द्र के डॉ जगदीश किशोर, श्री विवेक दुबे, घनश्याम, वासीम खान, शैलेंद्र बाजपाई उपस्थित रहे।

वर्ष-17 अंक-78 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शुक्रवार 12 जनवरी 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

मृदा उर्वरता बढ़ाने में जैविक खेती का विशेष योगदान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। कुलपति चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर एक दिवसीय विशाल किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। किसान मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ आनंद कुमार सिंह कुलपति द्वारा फीता काटकर किया गया तत्पश्चात उनके द्वारा मेले में 20से अधिक कृषि तकनीकी आधारित लगाई गई प्रदर्शनी के विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया गया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी में लगाई गई सामग्रियों के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करके मेले का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि फतेहपर की कृषि पद्धति ऐसी है जिसमे विभिन्न फसल प्रणाली अपनाई जा सकती है जनपद में धान एवं गेंहू के अधिक उत्पादन लेने से निरंतर मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है मृदा उर्वरता के साथ मानव स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे। मेला में अधिक सख्या में उपस्थित महिलाओं से उन्होने कहा की पोषक रसोई बागवानी तैयार करें तथा सब्जी नियमित भोजन में शामिल करें। कुलपति ने मृदा स्वास्थ्य एवं टिकाऊ खेती पर विशेष चर्चा की। उन्होंने किसान भाईयों से कहा कि खेती में विज्ञान शामिल करते हुए आय परक खेती करें तथा निरंतर वैज्ञानिको के सम्पर्क रहें। कुलपति ने कहा की मेला समसामयिक थीम के साथ किया गया।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉक्टर साधना वैश द्वारा स्वागत भाषण व केंद्र की विभिन्न उपलब्धियां पर प्रकाश डाला गया। अपने उद्बोधन में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने संतुलित खेती पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारी मृदा में जैव कार्बन की मात्रा बहुत कम हो चुकी है इसको सुधारना अति आवश्यक है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सब्जी की प्रजातियों के संरक्षित खेती द्वारा प्याज

शिमला मिर्च आदि की खेती कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय जनपद की कृषि पद्धति के अनुसार नवीन प्रजातियां निकल रहा है। निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि बीजों का उत्पादन एक समूह बनाकर किया जाए जिससे बीजो में किसान स्वालंबी बन सके। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने कहा मृदा स्वास्थ्य हेतु गोबर की खाद,हरी खाद आदि का उपयोग करते हुए सुरक्षित एवं स्वस्थ उत्पादन लिया जा सकता है।अन्त में कृषि विज्ञान केन्द्र पर स्थापित इकाइयो, सीड हब, क्राप कैफेटेरिया, प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। मेला का संचालन डॉ0 जितेन्द्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 संजय पाण्डेय ने किया। मेला के सफल आयोजन में केन्द्र के डॉ जगदीश किशोर, श्री विवेक दुबे, घनश्याम, वासीम खान, शैलेंद्र बाजपाई उपस्थित रहे।

डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17

R.N.I. No. UPHIN/2013/54341

द स्वार्ड ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 | अंक 71 | हिन्दी दैनिक | लखनऊ, शुक्रवार, 12 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1.00

मृदा उर्वरता बढ़ाने में जैविक खेती का विशेष योगदान- कुलपति

संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र पर आज एक दिवसीय विशाल किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। किसान मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ आनंद कुमार सिंह कुलपति द्वारा फीता काटकर किया गया तत्पश्चात उनके द्वारा मेले में 20से अधिक कृषि तकनीकी आधारित लगाई गई प्रदर्शनी के विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया गया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी में लगाई गई सामग्रियों के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करके मेले का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि फतेहपर की कृषि पद्धति

ऐसी है जिसमे विभिन्न फसल प्रणाली अपनाई जा सकती है जनपद में धान एवं गेंहू के अधिक उत्पादन लेने से निरंतर मृदा स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है मृदा उर्वरता के साथ मानव स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहे। मेला में अधिक सख्या में उपस्थित महिलाओं से उन्होने कहा की पोषक रसोई बागवानी तैयार करें तथा सब्जी नियमित भोजन में शामिल करें। कुलपति ने मृदा स्वास्थ्य एवं टिकाऊ खेती पर विशेष चर्चा की। उन्होंने किसान भाईयों से कहा कि खेती में विज्ञान शामिल करते हुए आय परक खेती करें तथा निरंतर वैज्ञानिको के सम्पर्क रहें। कुलपति ने कहा की मेला समसामयिक थींम के साथ किया गया।इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी अधिकारी डॉक्टर साधना वैश द्वारा स्वागत भाषण व केंद्र की विभिन्न उपलब्धियां पर प्रकाश डाला गया। अपने उद्बोधन में निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने संतुलित खेती पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारी मृदा में जैव कार्बन की मात्रा बहुत कम हो चुकी है इसको सुधारना अति आवश्यक है। निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सब्जी की प्रजातियों के संरक्षित खेती द्वारा प्याज शिमला मिर्च आदि की खेती कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय जनपद की कृषि पद्धति के अनुसार नवीन प्रजातियां निकल रहा है। निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि बीजों का उत्पादन एक समूह बनाकर किया जाए जिससे बीजो में किसान स्वालंबी बन सके। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सी एल मौर्य ने कहा मृदा स्वास्थ्य हेतु गोबर की खाद,हरी खाद आदि का उपयोग करते हुए सुरक्षित एवं स्वस्थ उत्पादन लिया जा सकता है।अन्त में कृषि विज्ञान केन्द्र पर स्थापित इकाइयो, सीड हब, क्राप कैफे टेरिया, प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। मेला का संचालन डॉ0 जितेन्द्र सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 संजय पाण्डेय ने किया। मेला के सफल आयोजन में केन्द्र के डॉ जगदीश किशोर, श्री विवेक दुबे, घनश्याम, वासीम खान, शैलेंद्र बाजपाई उपस्थित रहे।